

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-I
NEP-131 / MASOC103 - Perspectives on Indian Society

P. Pages : 3

Time : Three Hours



GUG/W/24/15209

Max. Marks : 80

-
- Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Analyse G. S. Ghurye's contribution to the study of caste system in India. **16**

OR

Analyse D.P. Mukherjee's Marxist perspective on Indian Society.

2. Evaluate M.N. Srinivas structural functional approach in the study of Indian society. **16**

OR

Examine Dr. Ambedkar's critique of the caste system from subaltern perspective.

3. Write short answer on **any two** of the following. **16**

- a) Louis Dumont's textual perspective on Indian Society.
- b) S. C. Dubey's structural functional approach in the study of Indian Society.
- c) Desai's critique of Indian nationalism from a Marxist perspective.
- d) N.K. Bose's civilizational perspective on Indian society.

4. Write short answer on **any two** of the following. **16**

- a) Louis Dumont's approach to the study of caste.
- b) Dubey's analysis on modernization.
- c) A. R. Desai's Marxist analysis of rural India.
- d) N. K. Bose's concepts of cultural continuity and change.

5. Write short notes on each of the following. **16**

- a) G. S. Ghurye's work on Indian tribes.
- b) Dominant caste in rural society.
- c) Mukherjee's concept of society.
- d) Annihilation of caste – Dr. Ambedkar.

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-I
NEP-131 / MASOC103 - Perspectives on Indian Society

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. भारतातील जाती व्यवस्थेच्या अभ्यासात जी.एस. घुर्ये यांच्या योगदानाचे विश्लेषण करा. 16
किंवा
भारतीय समाजावरील डी.पी. मुखर्जी यांच्या मार्क्सवादी दृष्टीकोनाचे विश्लेषण करा.
2. भारतीय समाजाच्या अभ्यासात एम.एन. श्रीनिवास यांच्या संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक दृष्टीकोनाचे मूल्यमापन करा. 16
किंवा
डॉ.आंबेडकर यांच्या जातीय व्यवस्थेवरील समीक्षेचे वंचितवादी दृष्टीकोनातून परिक्षण करा.
3. खालीलपैकी कोणत्याही दोन वर थोडक्यात उत्तर लिहा. 16
अ) भारतीय समाजावरील लुईस ड्युमॉ यांचा ग्रंथिक दृष्टीकोन.
ब) भारतीय समाजाच्या अध्ययनात एस.सि.दुबे यांचा संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टीकोन.
क) मार्क्सवादी दृष्टीकोनातून भारतीय राष्ट्रवादावर देसाई यांची समीक्षा.
ड) भारतीय समाजावरील एन.के. बोस यांचा सभ्यतावादी दृष्टीकोन.
4. खालीलपैकी कोणत्याही दोन वर थोडक्यात उत्तर लिहा. 16
अ) जातीच्या अभ्यासात लुईस ड्युमॉ यांचा दृष्टीकोन.
ब) आधुनिकीकरणावरील दुबे यांचे विश्लेषण.
क) ग्रामीण भारतावरील ए.आर. देसाई यांचे मार्क्सवादी विश्लेषण.
ड) एन.के. बोस यांची सांस्कृतिक सातत्य आणि परिवर्तनाची संकल्पना.
5. खालील प्रत्येक घटकांवर संक्षिप्त टिपा लिहा. 16
अ) भारतीय आदिवासी वरील जी.एस. घुर्ये यांचे कार्य.
ब) ग्रामीण समाजातील प्रबळ जाती.
क) मुखर्जी यांची समाजाची संकल्पना.
ड) जाती निर्मूलन - डॉ. आंबेडकर.

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-I
NEP-131 / MASOC103 - Perspectives on Indian Society

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. भारत में जातीय व्यवस्था के अध्ययन में जि.एस. घुर्ये इनके योगदान का विश्लेषण किजिये। 16
- अथवा**
- भारतीय समाज पर डी. पि. मुखर्जी इनके मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण किजिये।
2. भारतीय समाज के अध्ययन में एम. एन. श्रिनिवास इनके संरचनात्मक प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य का मूल्यमापन किजिये। 16
- अथवा**
- डॉ. आंबेडकर इनके जातीय व्यवस्था की आलोचना का वंचितवादी परिप्रेक्ष्य से परीक्षण किजिये।
3. निम्नलिखित **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिये। 16
- अ) भारतीय समाज पर लुईस ड्युमॉ इनका ग्रंथिक परिप्रेक्ष्य।
ब) भारतीय समाज के अध्ययन में एस.सि. दुबे इनका संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण।
क) देसाई इनका मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य से भारतीय राष्ट्रवाद की आलोचना।
ड) भारतीय समाज पर एन.के. बोस इनका सभ्यतावादी दृष्टिकोण।
4. निम्नलिखित **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिये। 16
- अ) जातीय के अध्ययन में लुईस ड्युमॉ इनका दृष्टिकोण।
ब) आधुनिकीकरण पर दुबे का विश्लेषण
क) ग्रामीण भारत पर ए.आर. देसाई इनका मार्क्सवादी दृष्टिकोण।
ड) एन.के. बोस इनकी सांस्कृतिक सातत्य एवं परिवर्तन की अवधारणा।
5. निम्नलिखित **हर** ईकाई पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 16
- अ) भारतीय जनजाती पर जी. एस. घुर्ये इनका कार्य।
ब) ग्रामीण समाज में प्रभावी जात
क) मुखर्जी इनकी समाज की अवधारणा
ड) जातीय का अंत - डॉ. आंबेडकर.
